खेती करो रे हरी नाम की

रे मनवा खेती करो रे हरी नाम की,

हाथ नहीं लागे पैर नहीं लागे,
जीबिया न लागे मास की,
खेती करो रे हरी नाम की,

रुपया न लागे पैसा न लागे,
कोड़ी न लागे चढाम की,
खेती करो रे हरी नाम की,

बल नहीं लागे बैल नहीं लागे,
भूमि न लागे किसान की,
खेती करो रे हरी नाम की,

केहते कबीरा सुनो बाई साधू
बात कहु मैं तोहे काम की,
खेती करो रे हरी नाम की,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16564/title/kheti-karo-re-hari-naam-ki

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |